चीनी उत्पादन 3.2 करोड़ टन पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली। गन्ने के भारी उत्पादन की वजह से देश का चीनी उत्पादन सितंबर में समाप्त होने वाले मौजूदा विपणन वर्ष में रिकॉर्ड 3.15-3.2 करोड़ टन पर पहुंच जाने का अनुमान है। उद्योग संगठन इस्मा ने यह संभावना जताई है। ब्राजील के बाद दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादक देश भारत में 2016-17 विपणन वर्ष (अक्तूबर-सितंबर) में 2.03 करोड़ टन चीनी का उत्पादन हुआ था। इस्मा ने बयान में बताया कि चालू विपणन वर्ष में 30 अप्रैल, 2018 तक चीनी मिलों में 3.103 करोड़ टन चीनी का उत्पादन कर चुके हैं। देश के 130 चीनी मिलों में पेराई अभी भी चालू है।

चालू विपणन वर्ष में 3.15-3.2 करोड़ टन चीनी उत्पादन की उम्मीद है। विपणन वर्ष 2017-18 की अक्तूबर-अप्रैल की अवधि में महाराष्ट्र के चीनी मिलों ने 1.065 करोड़ टन चीनी का उत्पादन किया। राज्य के 187 चीनी मिलों में से केवल 15 मिलों में ही उत्पादन हो रहा है। उत्तर प्रदेश में चीनी उत्पादन ने अप्रैल तक 1.12 करोड़ टन को छू दिया है और सूबे के 119 मे से 80 चीनी मिलों में गन्ना की पेराई अभी भी जारी है। इनमें से कुछ मिल अपना काम तेजी से निपटा रहे हैं, जबकि कुछ में मई 2018 के दूसरे सप्ताह तक पेराई जारी रहने की उम्मीद है। कर्नाटक में सभी चीनी मिलों में पेराई का काम बंद हो गया है। राज्य में चालू विपणन वर्ष में 36.3 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है। एजेंसी

3.103

करोड़ टन चीनी उत्पादन हो चुका है अप्रैल तक